www.summerexpress.in

समर एक्सप्रेस

सूर्योदय सुबह 7:24 बजे
सूर्यास्त शाम 5:52 बजे

R.N.I NO. CHMUL/25/A1155

●साल-1 ●अंक-136 ● पृष्ठ-8 ● मूल्य-5 रूपये ● मंगलवार 20 जनवरी 2026 ● चंडीगढ़ ● पंजाब ● हरियाणा ● हिमाचल ● ग्रुप एडिटर : अर्शदीप सिंह समर ● एग्जीक्यूटिव एडिटर : चंदन स्वप्निल

5 द SUMMER न्यूज़ साल सफलता का जश्न

द समर न्यूज़ के 5 वर्ष पूरे

श्री सुखमनी साहिब का पाठ आज

मोहाली| द समर न्यूज़ अपने पांच सफल वर्ष पूरे कर रहा है। इस शुभ अवसर पर मंगलवार को द समर न्यूज़ के मोहाली हेड ऑफिस में श्री सुखमनी साहिब जी का पाठ करवाया जा रहा है। इस समागम में पंजाब, हिमाचल, हरियाणा और ट्राई सिटी से गणमान्य शख्सियतें भी शमूलियत करेंगी।

न्यूज ब्रीफ

मजीठिया को सुप्रीम कोर्ट से राहत नहीं

नई दिल्ली| आय से अधिक संपत्ति मामले में गिरफ्तार शिरोमणि अकाली दल के नेता व पूर्व मंत्री बिक्रम सिंह मजीठिया को सुप्रीम कोर्ट से अभी कोई राहत नहीं मिली है। सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान पंजाब सरकार ने जवाब दाखिल करने के लिए दो हफ्ते का समय मांगा, जिसे अदालत ने स्वीकार कर लिया। कोर्ट ने जेल में सुरक्षा को लेकर भी सवाल उठाए। मामले की अगली सुनवाई 2 फरवरी को होगी।

प्रतीक ने की अपर्णा से तलाक की घोषणा

नई दिल्ली| दिवंगत मुलायम सिंह यादव के छोटे बेटे और अखिलेश यादव के भाई प्रतीक यादव ने पत्नी व भाजपा नेता अपर्णा यादव से तलाक लेने की घोषणा की है। प्रतीक यादव ने यह जानकारी इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए साझा की, जिसमें उन्होंने अपर्णा यादव पर गंभीर आरोप लगाए। फिलहाल अपर्णा यादव या यादव परिवार की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है।

बस न रोकने पर महिला ने ड्राइवर से की मारपीट

सूरत| सूरत में बीआरटीएस बस सेवा से जुड़ा एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। सोमेश्वरा से सूरत रेलवे स्टेशन जा रही बस में एक महिला यात्री ने ड्यूटी पर तैनात ड्राइवर के साथ मारपीट की। यह पूरी घटना बस में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। ड्राइवर के सिर में चोट आई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

सिटीजन रिपोर्टर

अब आप भी बन सकते हैं समर एक्सप्रेस के सिटीजन रिपोर्टर। अपने इलाके की कोई भी समस्या, आयोजन, जानकारी या खबर हमें भेजें। आपके नाम के साथ प्रकाशित की जाएगी। अपनी खबर इस फोन नंबर 7986630191 या ईमेल infosummerexpress@gmail.com पर भेजें।

फ्रांस का एफिल टावर, चंडीगढ़ दा गेड़ी रूट

चंडीगढ़। सेक्टर-10 का मिनी एफिल टावर। 56 फीट ऊंचा चंडीगढ़ का एफिल टावर, युवाओं का फेवरेट सेल्फी स्पॉट। यह मार्ग मुख्य रूप से सेक्टर 8, सेक्टर 9, सेक्टर 10 और सेक्टर 11 को जोड़ता है। वीकेंड हो या वीकडे, सिटको गेड़ी रूट बना रहता है चंडीगढ़ की शान। सिटको गेड़ी रूट; शाम ढलते ही युवाओं की पसंदीदा सड़क पर लौट आती है चंडीगढ़ की रौनक।सिटको गेड़ी रूट पर ट्रैफिक से ज्यादा दिखती है युवाओं की एनर्जी और शहर की लाइफस्टाइल।
फोटो जर्नलिस्ट : लक्की भट्टी

सीएम मान ने अजनाला को दी बड़ी सौगात

सरकारी डिग्री कॉलेज का शिलान्यास

समर न्यूज | अमृतसर

अमृतसर दौरे के दूसरे दिन पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने सीमावर्ती क्षेत्र अजनाला के लिए एक अहम विकासात्मक पहल की। 19 जनवरी को अजनाला की दाना मंडी में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने प्रस्तावित सरकारी डिग्री कॉलेज की आधारशिला रखी।

यह कॉलेज लंबे समय से क्षेत्रवासियों की प्रमुख मांग रहा है। संस्थान के निर्माण से अजनाला और आसपास के गांवों के विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के लिए दूर शहरों में नहीं जाना पड़ेगा। खासकर ग्रामीण और आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के छात्रों को इसका सीधा लाभ मिलेगा।

मुख्यमंत्री के स्वागत में दाना मंडी में विशाल जनसभा आयोजित की गई,

सीएम भगवंत मान

जहां लोगों में कार्यक्रम को लेकर खासा उत्साह देखने को मिला। स्थानीय नागरिकों ने इसे अजनाला के विकास की दिशा में एक निर्णायक कदम बताया। मुख्यमंत्री ने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि सरकार का लक्ष्य शिक्षा और विकास को हर क्षेत्र तक पहुंचाना है, विशेषकर उन इलाकों तक जो लंबे समय से उपेक्षित रहे हैं। उन्होंने भरोसा दिलाया कि प्रस्तावित डिग्री कॉलेज न केवल शैक्षणिक अवसर बढ़ाएगा, बल्कि क्षेत्र में रोजगार के नए अवसर भी सृजित करेगा। आने वाले समय में यह संस्थान अजनाला की विकास यात्रा की नई पहचान बनेगा।

छेड़छाड़ के आरोप के बाद युवक ने दी जान

एजेंसी | कोझिकोड

केरल के कोझिकोड जिले से एक बेहद संवेदनशील और चौंकाने वाला मामला सामने आया है। बस में एक महिला इंफ्लुएंसर द्वारा छेड़छाड़ का आरोप लगाते हुए वीडियो वायरल किए जाने के बाद 42 वर्षीय दीपक ने आत्महत्या कर ली। रविवार सुबह दीपक का शव उनके घर में फांसी के फंदे से लटका मिला। दीपक शुक्रवार को कन्नूर गए थे। उसी दिन बस में यात्रा के दौरान एक महिला ने वीडियो रिकॉर्ड कर दीपक पर बदसलूकी का आरोप लगाया। यह वीडियो सोशल मीडिया पर अपलोड होते ही वायरल हो गया और इसे 20 लाख से ज्यादा बार देखा गया। बताया जा रहा है कि दीपक ने भी यह वीडियो देख लिया था। माता-पिता का कहना है कि दीपक निर्दोष था। घटना के बाद महिला इंफ्लुएंसर ने वह वीडियो डिलीट कर दिया पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है।

उन्नाव रेप केसः हाईकोर्ट से सेंगर की सजा निलंबन याचिका खारिज

कोर्ट बोला-देरी के आधार पर राहत नहीं दी जा सकती

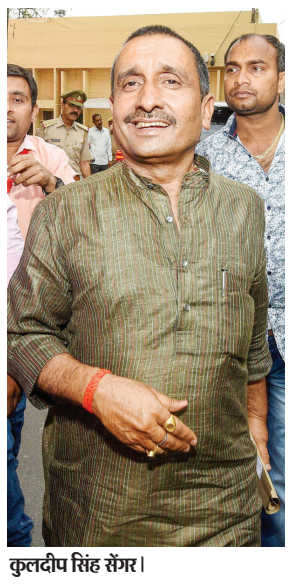

कुलदीप सिंह सेंगर।

एजेंसी | नई दिल्ली

दिल्ली हाईकोर्ट ने उन्नाव रेप मामले से जुड़े एक अहम फैसले में सोमवार को निष्कासित भाजपा विधायक कुलदीप सिंह सेंगर को बड़ा झटका दिया। अदालत ने पीड़िता के पिता की हिरासत में मौत के मामले में सेंगर को सुनाई गई 10 साल की सजा को निलंबित करने से इनकार कर दिया। न्यायालय ने साफ कहा कि सजा निलंबन के लिए कोई ठोस आधार नहीं बनता। अदालत ने अपने आदेश में कहा, राहत देने के लिए कोई आधार नहीं बनता। सजा निलंबन की अर्जी खारिज की जाती है। हालांकि कोर्ट ने यह जरूर कहा कि यदि अपील की शीघ्र सुनवाई की जाए, तो न्याय का उद्देश्य पूरा होगा। इसके बाद अदालत ने मामले की अगली सुनवाई की तारीख 3 फरवरी 2026 तय कर दी।

रेप केस में उम्रकैद की सजा

कुलदीप सिंह सेंगर पर 2017 में नाबालिग लड़की के अपहरण और बलात्कार का भी आरोप है। इस मामले में उन्हें दिसंबर 2019 में दोषी ठहराते हुए शेष जीवन तक कारावास की सजा सुनाई गई थी। इस रेप केस और पीड़िता के पिता की मौत-दोनों मामलों में सेंगर की अपीलें फिलहाल दिल्ली हाईकोर्ट में लंबित हैं। रेप केस में हाईकोर्ट ने 23 दिसंबर 2025 को सेंगर की सजा निलंबित की थी, लेकिन 29 दिसंबर 2025 को सुप्रीम कोर्ट ने उस आदेश पर रोक लगा दी थी। अब पिता की मौत के मामले में भी हाईकोर्ट से राहत न मिलने के बाद सेंगर की मुश्किलें और बढ़ गई हैं। इस फैसले को उन्नाव रेप केस में न्याय की दिशा में एक अहम कदम माना जा रहा है।

2020 में सुनाई गई थी 10 साल की सजा

गौरतलब है कि 13 मार्च 2020 को ट्रायल कोर्ट ने कुलदीप सिंह सेंगर को उन्नाव रेप पीड़िता के पिता की हिरासत में मौत के मामले में 10 साल की कठोर कारावास की सजा सुनाई थी। इसके साथ ही उन पर 10 लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया गया था। ट्रायल कोर्ट ने अपने फैसले में कहा था कि पीड़िता के पिता परिवार के इकलौते कमाने वाले सदस्य थे और ऐसे अपराध में किसी तरह की नरमी नहीं बरती जा सकती। इस मामले में सेंगर के भाई अतुल सिंह सेंगर और पांच अन्य आरोपियों को भी 10-10 साल की जेल की सजा सुनाई गई थी। अदालत ने सभी को हिरासत में पीड़िता के पिता की मौत का दोषी ठहराया था। पीड़िता के पिता को सेंगर के प्रभाव में आर्म्स एक्ट के तहत गिरफ्तार किया गया था और 9 अप्रैल 2018 को पुलिस हिरासत में उनकी मौत हो गई थी। अदालत ने माना था कि उनकी मौत पुलिस की बर्बरता के कारण हुई।

चंडीगढ़-बद्दी लाइन पर एलिवेटेड दिसंबर तक होगा पूरा

पंचकूला चंडीमंदिर रेलमार्ग के लिए लेवलिंग का काम चलता हुआ।

चंडीगढ़| चंडीगढ़ से बद्दी को रेल नेटवर्क से जोड़ने की महत्वाकांक्षी परियोजना में तेजी आ गई है। दोनों शहरों के बीच प्रस्तावित 31 किलोमीटर लंबी रेल लाइन के तहत 12 किलोमीटर एलिवेटेड ट्रैक के लिए लेवलिंग का काम शुरू कर दिया गया है। इस परियोजना में निर्माणाधीन ट्रैक का एक किलोमीटर हिस्सा करीब 52 फीट ऊंचा होगा, जबकि कुछ स्थानों पर ट्रैक की ऊंचाई न्यूनतम 25 फीट रखी गई है। रेलवे अधिकारियों के अनुसार परियोजना का हिमाचल प्रदेश क्षेत्र में करीब 50 प्रतिशत और हरियाणा में लगभग 20 प्रतिशत कार्य पूरा हो चुका है। शेष कार्य को दिसंबर 2026 तक पूरा किया जाना है। हिमाचल प्रदेश में 3.4 किलोमीटर क्षेत्र में पहले ही रेल पटरी बिछाने का कार्य शुरू हो चुका है। वहीं हरियाणा में बद्दी से चंडीमंदिर तक प्रस्तावित 25 किलोमीटर के हिस्से में पिंजौर के सूरजपुर से कार्य की शुरुआत की गई है, जहां फिलहाल लेवलिंग का काम चल रहा है। यह रेल लाइन बद्दी और संडोली तक जाएगी। इसमें पहला पड़ाव सूरजपुर होगा, जो पिंजौर से चंडीमंदिर की ओर लगभग पांच किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। इसके बाद रेल मार्ग नेशनल हाईवे पिंजौर–नालागढ़ के साथ-साथ आगे बढ़ेगा। यह सूरजपुर से धमाला, लोहगढ़, खेड़ा-टांडा, जोलूवाल, कोना, मड़ांवाला होते हुए हिमाचल के शीतलपुर स्थित कंटेनर डिपो केंदूवाला के रास्ते संडोली तक पहुंचेगा। इस परियोजना से बद्दी-बरोटीवाला-नालागढ़ औद्योगिक क्षेत्र के उद्योगपतियों को बड़ी राहत मिलेगी। नई रेल लाइन से कंटेनर डिपो सीधे जुड़ने पर लॉजिस्टिक खर्च कम होगा और निर्यात प्रक्रिया तेज होगी। इस परियोजना पर करीब 1540 करोड़ रुपये खर्च किए जा रहे हैं।

कालकाजी मंदिर से आगे 11 किमी का आकर्षक एलिवेटेड ट्रैक

31 किलोमीटर लंबी इस परियोजना में पिंजौर के पास कालकाजी मंदिर से आगे लगभग 11 किलोमीटर का हिस्सा विशेष रूप से आकर्षक होगा। यह ट्रैक मेट्रो रेल परियोजनाओं की तर्ज पर बनाया जा रहा है। इस तरह का ट्रैक फिलहाल चंडीगढ़ और आसपास के क्षेत्रों में पहली बार तैयार किया जा रहा है।

दो नए रेलवे स्टेशन भी बनेंगे

अंबाला मंडल के डीआरएम मनदीप सिंह भाटिया ने बताया कि परियोजना के तहत चंडीमंदिर रेलवे स्टेशन के पास और नानकपुर में दो नए रेलवे स्टेशन बनाए जा रहे हैं। इससे स्थानीय लोगों के साथ-साथ औद्योगिक क्षेत्र को भी बेहतर रेल सुविधा मिलेगी। इस रेल परियोजना के पूरा होने पर एशिया का सबसे बड़ा औद्योगिक क्षेत्र और फार्मा हब बद्दी-बरोटीवाला-नालागढ़ अमृतसर–कोलकाता रेल कॉरिडोर से जुड़ जाएगा।

सुनीता के आरोपों पर गोविंदा का जवाब

एजेंसी | मुंबई

बॉलीवुड अभिनेता गोविंदा और उनकी पत्नी सुनीता आहूजा की निजी ज़िंदगी को लेकर चल रही चर्चाओं पर अब खुद अभिनेता ने प्रतिक्रिया दी है। एक इंटरव्यू में सुनीता द्वारा लगाए गए गंभीर आरोपों के बाद गोविंदा ने कहा कि चुप्पी को अक्सर कमजोरी समझ लिया जाता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि वह अब इसलिए बोल रहे हैं क्योंकि बात गलत दिशा में जा रही है। गोविंदा ने दावा किया कि उनके परिवार के कुछ लोग अनजाने में एक बड़ी साजिश का हिस्सा बन गए और सुनीता को भी इस बात का अंदाजा नहीं है कि उन्हें इस विवाद में "पहला मोहरा" बनाया गया।

अपहरण, गैंगरेप कर नाले में फेंकी गई पीड़िता की दो साल बाद हुई मौत

एजेंसी | इंफाल

मणिपुर में मई 2023 की जातीय हिंसा के दौरान भीड़ की यौन हिंसा का शिकार बनी 20 वर्षीय कूकी-जो समुदाय की युवती की 10 जनवरी को मौत हो गई। परिजनों और जनजातीय संगठनों के अनुसार, वह हिंसा के बाद से शारीरिक और मानसिक आघात से कभी उबर नहीं पाई। महीनों तक चले इलाज के बावजूद उसकी हालत में सुधार नहीं हुआ और अंततः उसने दम तोड़ दिया। आरोप है कि मई 2023 में, जब वह 18 वर्ष की थी, इंफाल के न्यू चेकॉन इलाके में एक एटीएम के पास से उसका अपहरण कर लिया

न्याय की मांग को लेकर लोग कैंडललाइट विजिल में शामिल हुए।

गया। प्राथमिकी के अनुसार, जातीय झड़पों में शामिल कुछ महिलाओं ने उसे घाटी-आधारित एक सशस्त्र समूह के चार लोगों के हवाले कर दिया। इसके बाद उसे एक पहाड़ी इलाके में ले जाकर सामूहिक यौन हिंसा की गई और नाले में फेंक दिया गया। युवती किसी तरह जीवित बच गई और एक ऑटो चालक की मदद से अस्पताल पहुंची। वह इंफाल से कांगपोकपी, फिर कोहिमा और गुवाहाटी तक इलाज के लिए भटकी। उसे गंभीर गर्भाशय संबंधी समस्याओं के साथ गहरा मानसिक आघात झेलना पड़ा। ढाई साल बीतने के बावजूद न तो किसी आरोपी की पहचान हो सकी और न ही गिरफ्तारी हुई।

हार्ट फेलियर से हुई नोएडा के टेक इंजीनियर की मौत

एजेंसी | नोएडा

ग्रेटर नोएडा के सेक्टर-150 में हुए हादसे की पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि 27 वर्षीय सॉफ्टवेयर इंजीनियर युवराज मेहता की मौत दम घुटने और कार्डियक फेलियर से हुई। 16-17 जनवरी की रात करीब 12:30 बजे युवराज की कार क्षतिग्रस्त बाउंड्री वॉल तोड़कर करीब 30 फीट गहरे पानी से भरे गड्ढे में गिर गई। करीब 90 मिनट तक मदद का इंतज़ार करने के बावजूद समय पर रेस्क्यू नहीं हो सका और सुबह 4:30 बजे शव निकाला गया। हादसे के बाद प्रशासनिक लापरवाही के आरोप लगे हैं। खुले गड्ढे के लिए जिम्मेदार बिल्डरों पर FIR दर्ज की गई है।

पेज 1 एंकर स्टोरी

6,000 फीट से नीचे सेब की खेती जूझ रही, 3 महीने की फसल, साल भर की कमाई

हिमाचल में सेब से मोहभंग, परसिमन बना नई उम्मीद

कुल्लू| हिमाचल का मशहूर सेब, जो दशकों तक कुल्लू के बागानों की पहचान रहा, अब एक नई प्रतिस्पर्धा से जूझ रहा है। यह चुनौती न कश्मीर से है, न बाहर से आई किस्मों से—बल्कि उसी घाटी में तेजी से फैलते एक "जापानी फल" परसिमन से है, जिसके लिए किसान सेब के पेड़ कटवा रहे हैं। वजह साफ हैः बदलती जलवायु, घटती ठंड, बढ़ती लागत और परसिमन की बेहतर कमाई।

कुल्लू के एक किसान परिवार के पास कभी एक हजार से ज्यादा सेब के पेड़ थे। आज 200–300 पेड़ बचे हैं, जबकि 7.5 से 8.75 हेक्टेयर का बाग करीब एक हजार परसिमन पौधों से भर चुका है। किसान ठाकुर

जापानी फल।

बताते हैं कि बीस साल पहले उनके पिता को गुजारे के लिए चंडीगढ़ में दिहाड़ी करनी पड़ती थी। अब अक्टूबर से जनवरी की शुरुआत तक की तीन महीने की फसल ही घर की अर्थव्यवस्था संभाल देती है। उनका दावा है कि उनकी मौसमी कमाई कार्पोरेट पैकेज के बराबर है।

परसिमन की यह खेती हिमाचल में करीब एक दशक पहले शुरू हुई, जिसका केंद्र कुल्लू रहा, और अब इसका फैलाव मंडी जैसे पड़ोसी जिलों तक दिखने लगा है। बाजार भी तेजी से बढ़ा है-केरल, तमिलनाडु, कर्नाटक, महाराष्ट्र और कोलकाता तक मांग पहुंच रही है। कभी इसे "अजीब टमाटर जैसी चीज" कहकर टाला गया था, लेकिन अब यही फल 250-300 रुपये किलो तक बिकता है, जबकि शुरुआती दौर में भाव 20 रुपये किलो के आसपास था।

किसानों को यह फसल इसलिए भा रही है, क्योंकि यह सेब की तुलना में कम देखभाल मांगती है और निचली-मध्यम ऊंचाई वाले इलाकों में बेहतर टिकती है, जहां सेब अब तापमान बढ़ने और कीट-रोग के दबाव में संघर्ष कर रहा है।

विशेषज्ञों के मुताबिक, 6,000 फीट से नीचे सेब के लिए परिस्थितियां लगातार कठिन हो रही हैं। यही वजह है कि कई किसान पहले आलूबुखारा, नाशपाती, अनार की ओर गए और अब परसिमन को ज्यादा स्थिर विकल्प मान रहे हैं।

लग वैली और चुरला जैसे इलाकों में पानी की कमी ने भी बदलाव को तेज किया। किसानों का कहना है कि कम पानी और जल्दी आय देने वाली फसल के रूप में परसिमन आखिरी उम्मीद बनकर आया। आज इस बदलाव का असर गांवों में दिखाई देता है-नई पक्की इमारतें, बढ़ते निवेश और बच्चों की पढ़ाई पर खर्च। हालांकि एक शिकायत भी है, प्रोसेसिंग सुविधाओं की कमी।

कई जगह अधिक पकने से फल खराब हो जाता है, जिसे जैम/कैंडी जैसे उत्पादों में बदला जा सकता है, मगर स्थानीय स्तर पर ढांचे और रिसर्च का अभाव है। फिर भी कुल्लू की कहानी यह बताती है कि जलवायु संकट ने खेती का नक्शा बदलना शुरू कर दिया है—और हिमाचल में सेब की धरती धीरे-धीरे परसिमन की घाटी बनती जा रही है।

सब्जी विक्रेता मां के बेटे का CRPF में चयन

एजेंसी | सिंधुदुर्ग

महाराष्ट्र के सिंधुदुर्ग के गोपाल सावंत की मेहनत और संघर्ष की कहानी इन दिनों सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। गोपाल ने केंद्रीय रिजर्व पुलिस फ़ोर्स में चयन की खुशखबरी अपनी मां को दी, जो सिंधुदुर्ग जिले में फुटपाथ पर सब्जियां बेचकर परिवार का पालन-पोषण करती हैं। इस भावुक पल का वीडियो कैमरे में कैप्चर हो गया है। वीडियो में देखा जा सकता है कि गोपाल अपनी मां को सीआरपीएफ में चयन की जानकारी देते हैं और मां खुशी के आंसुओं के साथ उनकी बात सुनती हैं। वीडियो को अब तक 1.23 करोड़ से अधिक बार देखा जा चुका है। वीडियो में गोपाल अपनी मां के पैर छूकर उनका आशीर्वाद लेते हैं। अपनी भावनाओं का इजहार करते हुए गोपाल की मां कहती हैं, "मैं तो बस यही चाहती थी कि वह अपने पैरों पर खड़ा हो सके और उनकी आवाज गर्व और खुशी से भरी हुई है। सोशल मीडिया पर इस वीडियो को देखकर लोग गोपाल और उनकी मां की मेहनत की सराहना कर रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, आज सच में उस मां को उसकी मेहनत का फल मिला। वह बहुत

गोपाल अपनी मां के पैर छूता हुआ।

भाग्यशाली है कि उसे ऐसा बेटा मिला। यह कहानी मां-बेटे के अटूट रिश्ते, संघर्ष और सफलता की प्रेरणादायक मिसाल बन गई है, जो दर्शाती है कि सच्ची मेहनत और लगन कभी व्यर्थ नहीं जाती।